

## आदर्श प्रश्न पत्र

### हिंदी-केंद्रिक

कक्षा-ग्यारहवीं

समय: 3 घंटे

पूर्णांक- 90

निर्देश: इस प्रश्न पत्र के तीन खण्ड हैं- 'क', 'ख', 'ग'। सभी प्रश्नों को क्रमानुसार कीजिए।

	खंड 'क'	
प्र.1	<p>निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए-</p> <p>गाँधी जी और भगत सिंह लोक जीवन की कुंजी किस तत्व को मानते थे इसका समाधान करने की स्थिति यहाँ नहीं है। यहाँ तो इस संबंध में मैं इतना ही कह सकता हूँ कि भगत सिंह लोक-मानस में अपने अनुकूल वातावरण को अपने प्रयासों से निर्माण करने में दक्ष थे और गांधी जी सामाजिक परिस्थितियों से स्वयं उत्पन्न वातावरण को अपने अनुकूल करने में बेजोड़ थे। लोक मानस के मन में भाव होते हैं, पर भाषा नहीं होती। जो व्यक्ति भाव को भाषा देता है, लोक जीवन में उसे ही अपना नेता, अपना कर्णधार अपना आदर्श मानने की स्वेच्छा उत्पन्न हो जाती है। यह मेरी कुंजी का पूर्वार्द्ध है। उत्तरार्द्ध यह है कि लोक के मानस में आकांक्षा होती है, पर उस आकांक्षा को पूर्ण करने के प्रयत्नों की योजना नहीं होती। जो उसे योजना देता है, उस योजना पर चलने की प्रेरणा देता है, चलाता है और लक्ष्य पर पहुँचने से पहले रुकने, थकने नहीं देता, वह उसका आराध्य नेता और आदर्श पुरुष हो जाता है। इसी पृष्ठभूमि में मैं यह कहना चाहता हूँ कि लोक जीवन का बल अपने भौर्य, पराक्रम या त्याग-बलिदान से प्रदीप्त व्यक्तियों का आदर्श है, वह जीवित रूप में हो, साहित्य-इतिहास के रूप में। बस एक ही प्रश्न और लोक</p>	

	<p>की सर्वोत्तम,सर्वोच्च आकांक्षा क्या है? मेरा अनुभव कहता है कि लोक की मूल जीवन-वृत्ति है आनन्द। आनन्द पनपता है भांति में, और भांति की लता पुष्पित होती है स्थिरता में। तो भांत जीवन ही लोक की सर्वोत्तम-सर्वोच्च आकांक्षा हैं।</p> <p>(क) भगत सिंह की क्या विशेषता थी? 2</p> <p>(ख) महात्मा गांधी किस में बेजोड़ थे? 2</p> <p>(ग) भगत सिंह और महात्मा गांधी में क्या अंतर था? 2</p> <p>प्र.2 (घ) लोक जीवन किसे अपना आराध्य नेता और आदर्श पुरुष मानता है? 2</p> <p>(ङ) उपर्युक्त गद्यांश का भीर्षक लिखिए?</p> <p>निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए—</p> <p>मस्त योगी हैकि हम सुख देखकर सबका सुखी हैं, कुछ अजब मन है कि हम दुख देखकर सबका दुखी है, तुम हमारी चोटियों की बर्फ को यों मत कुरेदो, दहकता लावा हृदय में है कि हम ज्वालामुखी हैं! लास्य भी हमने किए हैं और तांडव भी किए हैं, वंश मीरा और शिव के, विष पिया है और जिये हैं, दूध माँ का या कि चंदन या कि केसर जो समझ लो, यह हमारे देश की रज है, कि हम इसके लिए हैं!</p> <p>(क) इस कविता में किस देश के निवासियों की बात की गई है? कारण दीजिए। 1</p> <p>(ख) लास्य और तांडव से आप क्या समझते हैं? 1</p> <p>(ग) इस कविता में भारतीयों की किस विशेषता को उजागर किया गया है? 1</p> <p>(घ) कविता का मूल भाव क्या है?</p> <p>प्र.3 (ङ.) कविता के लिए उचित भीर्षक दीजिए? 10</p> <p style="text-align: center;"><b>खंड 'ख'</b></p> <p>निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए—</p> <p>(क) भ्रष्टाचार एक कलंक</p>	
--	---	--

प्र.4	<p>(ख) व्यायाम के लाभ</p> <p>(ग) देश के उत्थान में युवाओं का योगदान।</p> <p>(घ) जनसंख्या-विस्फोट: एक समस्या</p> <p>सूचना और संचार के माध्यमों की बढ़ती लोकप्रियता के कारण पत्र-लेखन पीछे छूट गया है। पत्र लेखन के महत्व को रेखांकित करते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए।</p>	5
प्र.5	<p style="text-align: center;"><b>अथवा</b></p> <p>किसी दैनिक समाचार पत्र के संपादक को एक पत्र लिखिए जिसमें “अपराधी तत्वों के राजनीति में आने से लोकतंत्र को खतरा हो गया है” का वर्णन किया गया हो।</p> <p>निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए—</p> <p>(क) छह ककारों से क्या तात्पर्य है?</p> <p>(ख) उल्टा पिरामिड भौली पर प्रकाश डालिए?</p> <p>(ग) अंशकालिक पत्रकार से आप क्या समझते हैं?</p>	<p>1</p> <p>1</p> <p>1</p> <p>1</p> <p>1</p>
प्र.6	<p>(घ) समाचारों को संकलित करने वाले को क्या कहा जाता है?</p> <p>(ङ) फीचर लेखन की प्रमुख विशेषता क्या है?</p>	5
प्र.7	<p>‘भारत के बदलते स्वरूप पर’ पर एक फीचर लिखिए।</p> <p style="text-align: center;"><b>खंड ‘ग’</b></p> <p>निम्नलिखित में से किसी एक काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए?</p> <p style="text-align: center;">हम तौ एक एक करि जानां  दोई कहैं तिनहीं को दोजग जिन नाहिंन पहिचानां।।  एकै पवन एक ही पानीं एकै जोति समानां।।  एकै खाक गढ़े सब भांड़े एकै कोंहरां सानां।।  जैसे बाढ़ी काष्ट ही काटै अगिनि न काटै कोई।  सब घटि अंतरि तूँही व्यापक धरै सरूपै सोई।।  माया देखि के जगत लुभानां काहे रे नर गरबानां।</p>	<p>2</p> <p>2</p>

	निरभै भया कछू नहिं ब्यापै कहै कबीर दिवानां ।।	2
	(क) कबीर परमात्मा के किस रूप में आस्था रखते हैं?	2
	(ख) 'कबीर ने किन लोगों को नरक का अधिकारी माना है?	
	(ग) कबीर ने किस प्रकार सिद्ध किया है कि ईश्वर एक है?	
	(घ) कबीर के अनुसार प्रभु को जानने के लिए क्या आवश्यक है?	
	<b>अथवा</b>	
	अंधकार की गुहा सरीखी उन आँखों से डरता है मन भरा दूर तक उनमें दारुण दैन्य दुख का नीरव रोदन	
	वह स्वाधीन किसान रहा? अभिमान भरा आँखों में इसका, छोड़ उसे मझधार आज	2
	संसार कगार सदृश बह खिसका।	2
	(क) कवि को किसकी आँखें गुहा सरीखी लगती हैं और क्यों?	2
	(ख) किसान की आँखों में क्या-क्या समाया हुआ है?	2
प्र.8	(ग) 'वह स्वाधीन किसान रहा, अभिमान भरा आँखों में इसका'—इस काव्य-पंक्ति में किसान के	
	जीवन को कैसा बताया गया है?	
	(घ) किसान के अतीत और वर्तमान में क्या अंतर आ गया है?	
	निम्नलिखित में से किसी एक काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए—	
	नाचने के लिए खुला आंगन	3
	गाने के लिए गीत	3
	हँसने के लिए थोड़ी सी खिलखिलाहट	

	<p>रोने के लिए मुट्ठी भर एकांत</p> <p>(क) भाषा की दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।</p> <p>(ख) "मुट्ठी भर एकांत" का सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।</p> <p style="text-align: center;"><b>अथवा</b></p> <p>अंसुवन जल सींचि सींचि प्रेम-बेलि बौयी।</p> <p>अब त बेलि फैलि गयी, आणंद-फल होयी।।</p> <p>(क) काव्यांश के रूपक का निहितार्थ लिखिए</p> <p>(ख) पंक्तियों में आए अलंकार बताइए।</p>	<p>3</p> <p>3</p> <p>2</p> <p>2</p> <p>2</p>
<p><b>प्र.9</b></p>	<p>निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए—</p> <p>(क) कबीर की दृष्टि में ईश्वर एक है। इसके समर्थन में उन्होंने क्या तर्क दिए हैं?</p> <p>(ख) कवि किसान की आँखों से क्यों डरता है ?</p> <p>(ग) आओ मिलकर बचाएँ में कवयित्री क्या बचाने की प्रेरणा देती हैं?</p> <p>निम्नलिखित में से किसी एक गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए—</p> <p>आगे भी इस देश में जो प्रधान भासक आए ,अंत में उनको जाना पड़ा।</p> <p>इससे आपका जाना भी परंपरा की चाल से कुछ अलग नहीं है, तथापि भासन-काल का नाटक घोर दुखांत है ,और अधिक आश्चर्य की बात यह है कि दर्शक तो क्या, स्वयं सूत्रधार भी नहीं जानता था कि उसने जो खेल सुखांत समझकर खेलना आरंभ किया था, वह दुखांत हो जावेगा। जिसके आदि में सुख था ,मध्य में सीमा से बाहर सुख था ,उसका अंत इतने घोर दुख के साथ कैसे हुआ? आह! घमंडी खिलाड़ी समझता हैं कि दूसरो को अपनी लीला दिखाता हूँ। किंतु परदे के पीछे एक और ही लीलामय की लीला हो रही है, यह उसे खबर नहीं।</p> <p>(क) कर्जन के भासन काल का नाटक दुखांत क्यों है?</p> <p>(ख) सूत्रधार किसे कहा गया है? उसके द्वारा खेल खेलने का क्या अभिप्राय है ?</p> <p>(ग) 'और ही लीलामय की लीला' से लेखक किस की ओर संकेत करना चाहता है?</p> <p style="text-align: center;"><b>अथवा</b></p>	<p>2</p> <p>2</p> <p>2</p>
<p><b>प्र.10</b></p>		

प्र011	<p>यह पावस यहाँ नहीं पहुँचता है। कालीदास की वर्षा की भोभा विन्ध्याचल में है। हिमांचल की इन मध्य की घाटियों में नहीं है। मैं नहीं जानता कि इसका लालित्य लाहुल-स्पीति के नर-नारी समझ भी पाएंगे या नहीं। वर्षा उनके संवेदन का अंग नहीं है। वह यह जानते नहीं हैं कि 'बरसात में नदियाँ बहती है, बादल बरसते, मस्त हाथी चिंघाड़ते हैं, जंगल हरे-भरे हो जाते हैं, अपने प्यारों से बिछुड़ी हुई स्त्रियाँ रोती-कलपती है, मोर नाचते हैं और बंदर चुप मारकर छिपते हैं। अगर कालीदास यहाँ आकर कहें कि' अपने बहुत से सुंदर गुणों से सुहानी लगने वाली, स्त्रियों का जी खिलाने वाली, पेड़ों की टहनियों और बेलों की सच्ची सखी तथा सभी जीवों का प्राण बनी हुई वर्षा ऋतु आपके मन की सब साधें पूरी करें' तो स्पीति के नर-नारी यही पूछेंगे कि यह देवता कौन है? कहाँ रहता है? यहाँ क्यों नहीं आता है? स्पीति में कभी-कभी बारिश होती है। वर्षा ऋतु यहाँ मन की साध पूरा नहीं करती। धरती सूखी, ठंडी और वंध्या रहती है।</p> <p>(क) इस निबंध तथा लेखक का नाम बताइए</p> <p>(ख) लेखक को क्यों लगता है कि लाहुल-स्पीति के लोग कालिदास के प्रसंग को नहीं समझ पाएँगे।</p> <p>(ग) कालिदास ने वर्षा ऋतु का किस प्रकार गुणगान किया है ?</p>	2 2 2 9
प्र.12	निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए—	9
	<p>(क) 'नमक का दरोगा' पाठ के आधार पर वंशीधर की किन्हीं तीन चारित्रिक विशेषताओं को लिखिए ?</p> <p>(ख) लेखिका ने मियाँ नसीरुद्दीन को नानाबाइयों का मसीहा कहा, आप उससे कहाँ तक सहमत हैं ?</p> <p>(ग) धनराम मोहन को अपना प्रतिद्वन्दी क्यों नहीं समझता था?</p>	
प्र.13	<p>(घ) 'जामुन का पेड़' के आधार पर सरकारी कर्मचारियों की कार्यप्रणाली का उल्लेख कीजिए।</p> <p>'वितान' पाठ्य पुस्तक के आधार पर किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए—</p>	6

	<p>(क) चेजारो के साथ गाँव समाज के व्यवहार में पहले की तुलना में आज क्या फर्क आया है, पाठ के आधार पर बताइए ?</p> <p>(ख) भास्त्रीय संगीत और चित्रपट संगीत के तीन अन्तर बताइए।</p> <p>(ग) भूमि के अंदर भीषण गर्मी में चेजारो के लिए ताजी हवा का प्रबंध कैसे किया जाता है?</p> <p>(घ) तातुश लेखिका को देखकर प्रसन्न क्यों हो उठते थे?</p> <p>निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए—</p> <p>(क) राजस्थान में कुई किसे कहते हैं? इसकी गहराई और व्यास तथा सामान्य कुओं की गहराई और व्यास में क्या अंतर होता है?</p> <p>(ख) “आलो आंधारि” नामक पाठ से जनसामान्य के लिए क्या संदेश संप्रेषित किया गया है?</p> <p>नोट:— 10 अंकों के मौखिक परीक्षण का आयोजन विध्याध्यापक स्वयं करेंगे।</p>	
--	--	--

\*\*\*\*\*समाप्त\*\*\*\*\*